वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 12 | मंगलवार 7 मई 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड की विशेष बैठक आयोजित

स्काउट गाइड सह शैक्षिक गतिविधियों का प्रभावी क्रियान्वयन हो: राज्यपाल

राज्यपाल ने उत्कृष्ट कार्यों के लिए स्काउट गाइड चल वैजयंती शील्ड प्रदान की

जयपुर. शाबाश इंडिया

राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा है कि राज्य के सभी विद्यालयों और महाविद्यालयों में स्काउट गाइड सह शैक्षिक गतिविधियों का प्रभावी क्रियान्वयन किया जाए। उन्होंने कहा कि इसके लिए सभी स्तरों पर वातावरण निर्माण कर कार्य किया जाए। राज्यपाल ने स्काउट गाइड में उत्कृष्ट कार्यों के लिए संगठन के सहायक राज्य संगठन आयुक्त विनोद दत्त जोशी को इस अवसर पर चल वैजयंती शील्ड भी प्रदान की। राज्यपाल मिश्र सोमवार को राजभवन में राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड की विशेष बैठक में संबोधित कर रहे थे। बैठक में बताया गया कि राज्य सरकार की सौ दिवसीय कार्य योजना के अंतर्गत 1 हजार 500 नवीन विद्यालयों में स्काउट गाइड समूह का पंजीकरण कर इनकी गतिविधियां प्रभावी की गई हैं। इसी तरह 8 हजार 826 निष्क्रिय समूहों को सक्रिय किया गया तथा उच्च माध्यमिक विद्यालयों के 4 हजार से अधिक शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया। बैठक में इस संगठन के अंतर्गत गुणात्मक वृद्धि के लिए किए गए प्रयासों के बारे में भी बताया गया। राज्यपाल ने कहा कि यह महत्वपूर्ण है कि राजस्थान शिक्षा के साथ सह शैक्षिक गतिविधियों में देश भर में अग्रणी है। उन्होंने शिक्षा के साथ साथ विद्यार्थियों में सृजनात्मक क्षमताओं के विकास के लिए निरंतर कार्य किए जाने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति में भी विद्यार्थियों की क्षमता विकास पर ही अधिक जोर दिया गया है। राज्यपाल ने पूरे देश में एक मात्र राजस्थान में स्काउट गाइड के आवासीय विद्यालयों का गठन कर उनका संचालन को भी महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने जगतपुरा, जयपुर और खुडी, लक्ष्मणगढ़, सीकर में इस तरह के आवासीय विद्यालयों और वहां की गतिविधियों से विद्यार्थियों में सृजनात्मक क्षमताओं विकास के लिए किए कार्यों की सराहना भी की। उन्होंने राज्य के सभी वित्तपोषित विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड की सहशैक्षिक गतिविधियों का प्रभावी क्रियान्वयन के साथ इनमें देशभर में राज्य को अग्रणी किए जाने का आह्वान किया। बैठक में बताया गया कि इस समय 60 प्रतिशत से अधिक विश्वविद्यालय, महाविद्यालयों में स्काउट गाइड गतिविधियां संचालित हो रही है। राज्यपाल ने गोविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय की तर्ज पर महाविद्यालयों और विद्यालयों के लिए सात दिवसीय स्काउट गाइड प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने के लिए भी कार्यवाही किए जाने पर सहमति जताई। उन्होंने इस संगठन में कोटा मनी और फंड के लिए राशि एकत्रण आदि के लिए भी प्रस्तावों के संदर्भ में कार्यवाही किए जाने की आवश्यकता जताई। स्काउट गाइड संगठन के जरिए युवाओं को अधिकाधिक लाभान्वित किए जाने पर भी जोर दिया।

उप मुख्यमंत्री ने किया जीआईटीबी का दौरा

इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ते पर्यटन के अनुरूप होना चाहिए जीआईटीबी से प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा: दीया कुमारी

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान की उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने सोमवार को नोवोटेल कन्वेंशन सेंटर में ग्रेट इंडियन ट्रैवल बाजार के 13वें संस्करण का दौरा किया। इस दौरान, उन्होंने एग्जीबिशन का अवलोकन किया और इनबाउंड टूर ऑपरेटर्स और पर्यटन व्यवसायियों के बीच चल रही बी2बी मीटिंग्स का अपडेट प्राप्त किया। उन्होंने इस मेगा इनबाउंड टूरिज्म मार्ट में निरंतर वृद्धि की सराहना करते हुए नए वित्तीय वर्ष के पहले प्रमुख पर्यटन कार्यक्रम के रूप में इसके महत्व पर प्रकाश डाला, जो पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए तैयार है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने पर्यटकों की बढ़ती संख्या के अनुरूप बुनियादी ढांचे के विकास की आवश्यकता को रेखांकित किया और पर्यटन को मजबूत करने के लिए सरकार की भागीदारी और पर्यटन व्यवसायियों से सहयोग का आग्रह किया। इस अवसर पर पर्यटन विभाग, प्रमुख शासन सचिव, गायत्री राठौड़; पर्यटन विभाग, निदेशक, रश्मि शर्मा; फिक्की टूरिज्म एंड कल्चरल कमेटी, चेयरमैन, दीपक देवा; फिक्की की पूर्व प्रेसिडेंट और ललित सूरी हॉस्पिटेलिटी ग्रुप की सीएमडी, डॉ. ज्योत्सना सूरी और एफएचटीआर व एचआरएआर, अध्यक्ष, कुलदीप सिंह चंदेला उपस्थित रहे। इस अंतर्राष्ट्रीय मार्ट का आयोजन पर्यटन विभाग, राजस्थान सरकार, पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार और फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। इस आयोजन को होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ राजस्थान (एचआरएआर), इंडियन हेरिटेज होटल्स एसोसिएशन (आईएचएचए) और राजस्थान एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स (राटो) का भी सहयोग प्राप्त है। मार्ट के दो दिनों में लगभग 10,000 पूर्व-निर्धारित, संरचित बी2बी बैठकें होंगी।

जैन इंजीनियर्स सोसायटी जयपुर साउथ चैप्टर की अनूठी पहल

नीट परीक्षा केंद्र पर आएअभ्यर्थियों के परिवारजन के लिए की विश्राम व्यवस्था

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन इंजीनियर्स सोसायटी जयपुर साउथ चैप्टर ने दिनांक 5 मई, 2024 (रविवार) को नीट (NEET) प्रतियोगी परीक्षा के केंद्र IIS School, मानसरोवर पर प्रतियोगी परीक्षा में आने वाले अभ्यर्थियों के परिवारजनों के बैठने एवं विश्राम की व्यवस्था कर एक नई पहल की है ।चैप्टर द्वारा परीक्षा केंद्र परिसर के बाहर टेन्ट लगाकर बैठने हेतु कुर्सियों, तथा विश्राम हेतु फर्श की व्यवस्था की गई। इस व्यवस्था का लगभग 200 अभ्यर्थियों के परिवारजनों ने लाभ उठाया। अभ्यर्थियों के परिवारजनों ने इस पहल की प्रशंसा करते हुए बताया कि वे पूर्व में भी परीक्षा केंद्रों पर आये हैं परंतु बैठने / विश्राम की व्यवस्था न होने से वे इस गर्मी में 3 से 4 घंटे तक इधर-उधर परेशान होकर भटकते रहे हैं। उपरोक्त सेवा व्यवस्था को अंजाम देने के लिए इंजी. दीपक कुमार जैन (अध्यक्ष), प्रदीप कुमार जैन (सचिव), इंजी. बी पी जैन (संयुक्त सचिव), इंजी. महेंद्र कुमार कासलीवाल (कार्य.सदस्य) व अन्य सदस्य परीक्षा केन्द्र पर उपस्थित रहे । उक्त सेवा कार्यक्रम की सफलता से उत्साहित होकर, चैप्टर ने इस प्रकार के सेवा कार्य को भविष्य में भी जारी रखने का निर्णय लिया है ।

रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ की पूल पार्टी का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ द्वारा दिनांक 5 मई रविवार 2024 को मांगावास रोड होटल एलिट में एक पूल पार्टी का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में कई गेम्स पूल गेम्स लक्की ड्रा कई सारे आकर्षक उपहार दिए गए एवं शाम को सूफी संगीत की महफिल सजाई गई ।यह कार्यक्रम बहुत ही सुव्यवस्थित एवं शानदार कार्यक्रम रहा इस कार्यक्रम में रोटरी क्लब के सचिव डॉक्टर अमित शर्मा , वरिष्ठ उपाध्यक्ष महेश मंगल डॉ राजीव जैन अनीता जैन एवं इस कार्यक्रम के संयोजक विनायक कनिका शर्मा नितिन दीपशिखा जैन पीयूष प्रिया जैन मनोज रजनी शर्मा अतुल टीना गुप्ता आदि मंच संचालन का कार्यक्रम पी आर ओ सुनीता जैन द्वारा किया गया । अंत में रोटरी क्लब के इलेक्ट अध्यक्ष अनिल जैन ने सभी रोटरी मेंबर्स को एवं संयोजकों को धन्यवाद दिया।

बुजुर्ग महिला-बच्चों, जरूरतमंदों के बीच 40 छाते वितरित

झुमरीतिलैया. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन विद्यासागर पाठशाला के बच्चों के द्वारा शहर के फुटपाथ पर अपनी जीविका चला रहे बुजुर्ग महिला बच्चे जरूरतमंदों के बीच 40 छाता वितरण किया गया इस मौके पर पाठशाला में पढ़ाने वाली शिक्षिकाएं भी साथ में मौजूद थी दोपहर के इस चिलचिलाती गर्मी में पाठशाला के छोटे-छोटे बच्चों ने स्टेशन रोड झंडा चौक वीर कुंवर सिंह चौक आदि स्थानों में घूम घूम कर जरूरतमंदों को छाता दिया सभी बच्चे छाता बांटकर बहुत ही खुश हो रहे थे इस मौके पर समाजसेवी पार्षद पिंकी जैन ने कहा कि जैन धर्म में दया त्याग और दान का बड़ा महत्व है जरूरतमंदों के चेहरे पर खुशी मिले यही सच्चा सेवा कार्य है विद्यासागर पाठशाला झुमरी तिलैया की शिक्षिकाएं बच्चों के बीच बहुत अच्छा संस्कार दे रही है बच्चों के बीच बचपन से ही जरूरतमंदों के प्रति संवेदना और मानवता की सेवा का बीजारोपण किया जा रहा है पाठशाला की संयोजिका सुनीता सेठी ने कहा कि इस तरह के कार्य से बच्चों में धर्म और मानवता का संस्कार मिलता है प्रत्येक शनिवार रविवार को जैन समाज की महिला शिक्षिकाओ के द्वारा बच्चों को धार्मिक शिक्षा धर्म पूजा संस्कृति की रक्षा का पाठ पढ़ाया जाता है इस मौके पर जूली लूहारिया किरण सेठी रानी छाबड़ा कल्पना सेठी आशा गंगवाल नीलिमा ठोलिया रिंकू गंगवाल क्षमा सेठी संगीता छाबड़ा मोना छाबरा रेखा झाझंरी प्रियंका छाबड़ा सीमा जैन अमित जैन सेठी आदि लोगों ने इस कार्य में अपना योगदान दिया जैन समाज के मीडिया प्रभारी नवीन जैन और राजकुमार जैन अजमेरा ने बताया कि जैन समाज के द्वारा 10 मई अक्षय तृतीया के दिन जीव दया कार्यक्रम के तहत स्थानीय गौशाला में मौजूद सैकड़ो गायों के बीच चारा चोकर गुड़ आदि का वितरण किया जाएगा।

गौरव भण्डारी की स्मृति में विद्यालय का रंग-रोगन और जल मंदिर का शुभारंभ

उदयपुर. शाबाश इंडिया। गौरव भण्डारी की तृतीय पुण्यतिथि पर राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, वियाल (धार) में एक कार्यक्रम रखा गया। कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वती वंदना और दीप प्रज्वलन के द्वारा की गई एवं सभी अतिथियों का स्वागत उपरना पहना कर किया गया। स्वच्छता अभियान झ जल प्रबंधन व्यवस्था के तहत गौरव जल मंदिर के तहत बच्चों के पीने की व्यवस्था हेतु सबमर्सिबल मोटर फिटिंग एवं विद्यालय के रंग-रोगन का कार्य करवाया गया। शुभारम्भ के अवसर पर सोमवार को गौरव जल मंदिर के नाम से विद्यालय में बच्चों के स्वच्छ जल की व्यवस्था की गई। संजय धाकड़ ने जानकारी दी कि कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ सत्य नारायण सुथार, प्रधानाचार्य, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, धार ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नाहर सिंह भंडारी एवं विशिष्ट अतिथि विनीत जैन थे। नाहरसिंह भण्डारी ने अपने उद्बोधन में विगत वर्षों में की समाज सेवाओं की जानकारी देते कहा कि विद्यालय परिवार एवं ग्रामवासियों ने जिस प्रकार हमारा अनुरोध स्वीकार कर सहयोग प्रदान किया इसके लिए बहुत आभार। उन्होंने विश्वास जताते कहा कि गौरव भण्डारी की तरह सभी बच्चे अच्छी पढाई कर विद्यालय एवं परिवार का नाम रोशन करेंगे। कार्यक्रम में रोशन लाल गोखरू, अशोक इंटोदिया, ललित भंडारी, सुरेश तलेसरा, रोमिल धाकड़, लतिता भंडारी, नीता जैन, प्रेम धाकड़, अनीता धाकड़, रितु भंडारी, मधु तलेसरा, अंजना भंडारी सुनीता भंडारी, रीता इंटोदिया, स्नेहा लोढ़ा एवं ग्रामवासी सहित कई मित्र जन उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत बच्चों को नाश्ता वितरण किया गया एवं प्रधानाचार्य प्रेम सिंह भाटी ने भामाशाह का धन्यवाद ज्ञापित करते आभार व्यक्त किया तथा विद्यालय गतिविधियों की जानकारी दी। कार्यक्रम में विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित था।

"अक्षय तृतीया" श्रमण संस्कृति का एक महत्वपूर्ण दिवस

पदम जैन बिलाला जनकपुरी

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन धर्म में अक्षय तृतीया का पर्व मनाने की परंपरा का महत्व एकदम अलग है. जैन धर्म में इसे श्रमण संस्कृति के साथ युग का प्रारंभ माना जाता है. जैन धर्म के अनुसार, भरत क्षेत्र में युग का परिवर्तन भोग भूमि व कर्मभूमि के रूप में हुआ था. भोग भूमि में कृषि व कर्मों की कोई आवश्यकता नहीं. उसमें कल्प वृक्ष होते हैं, जिनसे प्राणी को मनवांछित पदार्थों की प्राप्ति हो जाती है। वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को अक्षय तृतीया का पर्व बड़े ही उत्साह के साथ मनाया जाता है. अक्षय तृतीया का भारतीय संस्कृति में बड़ा महत्व है। इस वर्ष यह पर्व 10 मई शुक्रवार को मनाया जायेगा।

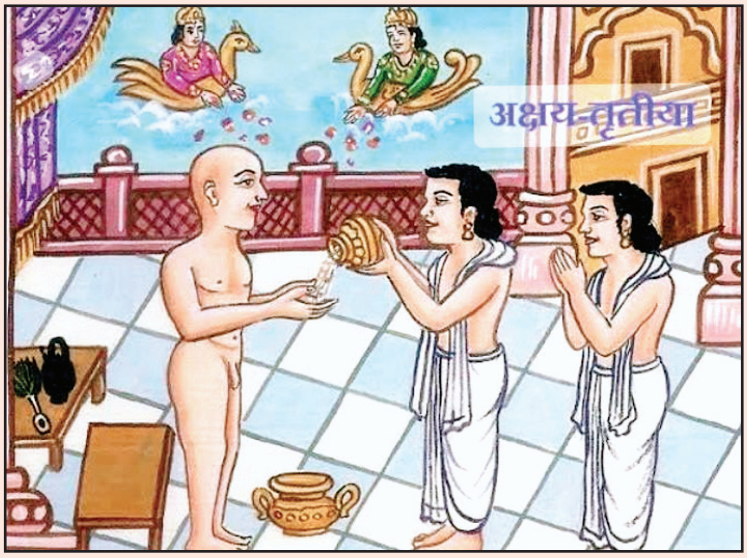

जैन धर्म में अक्षय तृतीया दान पर्व

जैन धर्म की मान्यताओं के अनुसार, जैन धर्म में अक्षय तृतीया पर दान का विशेष महत्व होता है. इस धर्म में भगवान आदिनाथ ने सबसे पहले समाज में दान के महत्व को समझाया था और दान की शुरूआत की थी.। भगवान आदिनाथ राज-पाट् का त्याग करके वन में तपस्या करने निकल गए थे. उन्होंने वहां 6 महीने तक लगातार ध्यान किया था. 6 महीने बाद जब उन्होंने सोचा कि इस समाज को दान के बारे में समझाना चाहिए तो वे ध्यान से उठकर आहार मुद्रा धारण करके नगर की ओर निकल पड़े थे। जैन धर्म में अक्षय तृतीया के दिन लोग आहार दान, ज्ञान दान, औषाधि दान या फिर मंदिरों में दान करते हैं. जैन धर्म की मान्यता है कि भगवान आदिनाथ ने इस दुनिया को असि-मसि-कृषि वाणिज्य व शिल्प के बारे में बताया था. इसे आसान भाषा में समझें तो असि यानि तलवार चलाना, मसि यानि स्याही से लिखना, कृषि यानी खेती करना होता है. भगवान आदिनाथ ने ही लोगों को इन विद्याओं के बारे में समझाया और लोगों को जीवन यापन के लिए इन्हें सीखने का उपदेश दिया था।

अक्षय तृतीया पारणकपर्व कैसे

जैन धर्म की मान्यता के अनुसार, भगवान ऋषभनाथ (प्रथम तीर्थंकर) ने एक वर्ष की तपस्या करने के बाद वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि अर्थात अक्षय तृतीया के दिन इक्षु रस (गन्ने का रस) से अपनी तपस्या का पारण किया था। हस्तिनापुर के राजा श्रेयांश ने गन्ने के रस का आहार देकर भगवान आदिनाथ को प्रथम आहार देने का सौभाग्य प्राप्त किया। इस कारण जैन समुदाय में यह दिन विशेष माना

जाता है। इसी मान्यता को लेकर आज भी अक्षय तृतीया का उपवास गन्ने के रस से तोड़ा जाता है। यहां इस उत्सव को पारणकके नाम से भी जाना जाता है।

अक्षय तृतीया स्वयं सिद्ध मुहूर्त

अक्षय तृतीया वैशाख माह में शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को कहते हैं। ग्रंथों के अनुसार इस दिन जो भी शुभ कार्य किये जाते हैं, उनका अक्षय फल मिलता है। अर्थात ऐसा फल जिसका क्षय नहीं होता। इसी कारण इसे अक्षय तृतीया कहा जाता है। वैशाख माह की तृतीया तिथि स्वयंसिद्ध मुहूर्तों में मानी गई है। जनकपुरी ज्योतिनगर जयपुर जैन मंदिर में यह पर्व इस वर्ष आचार्य शशांक सागर जी मुनिराज के पावन सानिध्य में मनाया जायेगा।

पुत्री के विवाह में दिया आर्थिक सहयोग

श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति ने दिया अब तक 109 बालिकाओं के विवाह में सहयोग

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद/अजमेर। पौराणिक काल में भगवान नरसी जी का अपने भक्त की लाज बचाने के लिए भरे गए मायरे की कथा अजमेर में जीवंत हो उठी। मौका रहा जब बिन पिता की पुत्री के विवाह को संपन्न करवाने में श्री दिगंबर जैन महासमिति अजमेर एवम श्री दिगंबर जैन महासमिति महिला एवम युवा महिला संभाग अजमेर की वैशाली नगर इकाई ने भगवान नरसी के रूप में गरीब बच्ची के विवाह में न सिर्फ मायरा भरा बल्कि अन्य उपयोगी वस्तुओं से उसकी झोली भर कर अपने कर्तव्य का निर्वाहन किया। महासमिति और युवा महिला संभाग की वैशाली नगर इकाई के तत्वावधान में अजमेर के अंचल का ग्राम मांगलियावास की जरूरतमंद विधवा महिला मुन्नी देवी को संबल प्रदान किया। मुन्नी के पति का कई वर्ष पूर्व स्वर्गवास हो गया था। पति की मृत्यु के बाद मुन्नी मेहनत मजदूरी करके अपने परिवार का पालन पोषण कर रही है। पुत्री के विवाह की चिंता और आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण प्रेशान म मुन्नी ने मदद के लिए हाथ बढ़ाते हुए श्री दिगंबर जैन महासमिति के अध्यक्ष अतुल पाटनी से बेटी के विवाह में सहयोग की अपील की जिसे श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति की राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु पाटनी के मुख्य आथित्य में वैवाहिक कार्य में सहयोग किया गया। इकाई अध्यक्ष श्रीमती शांता काला ने बताया कि समिति संरक्षक राकेश पालीवाल, अध्यक्ष अतुल पाटनी, अजीत अनिता जैन बड़जात्या, पदम चंद जैन, महेश मंत्री, चिंतामणि ताराचंद चांदीवाल, वैशाली नगर इकाई की सदस्याओं एवम मोना पाटनी, आनंद शर्मा के सहयोग से जरूरतमंद परिवार की पुत्री के विवाह में वैवाहिक सामग्री के साथ विवाह उपरांत गृहस्थ जीवन के कार्य में आने वाली सामग्री जिसमे बरी का बेस, 6 साडिया, 10 सेट लहंगा ओढ़नी, सलवार सूट के सेट, ब्लैंकेट, शाल, कंबल, आर्टिफिशियल ज्वेलरी, कूलर, पलंग, स्टील अलमारी, लोहे का बड़ा संदूक, गद्दे, तकिए, कुर्सी सेट, पंखा, सौंदर्य प्रसाधन का सामान, परिवार जन के कपड़े, चरण पादुका, शूज, सेलो के आइटम, ओवन,

कुकर, गैस चूल्हा, प्रेस, चौकी, बाथरूम सेट, स्टील के बर्तन, कोठी, घड़ा, सजावट का सामान, मोजे की जोड़ियां, पर्स टोपे पंखा, हाथ एवम दिवाल घड़ी सहित अन्य सामग्री के साथ खाद्य सामग्री देकर सहयोग किया गया। इस अवसर पर समिति की राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु पाटनी ने कहा कि अबतक 109 जरूरतमंद परिवार की पुत्री के विवाह में सहयोग दिया जा चुका है जिसे समिति की सभी इकाइयों का सहयोग लेते हुए आगे भी जारी रखा जाएगा।

संत सुधा सागर आवासीय कन्या महाविद्यालय के नवीन सत्र हेतु और चयन सिविल का आयोजन गोलाकोट में

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री संत सुधा सागर आवासीय कन्या महाविद्यालय के नवीन सत्र हेतु और चयन सिविल का आयोजन गोलाकोट में रखा गया जिसमें पूरे देश की सैकड़ो बच्चियों उपस्थित हुई 3 दिन के आवासीय शिविर में उन्हें पढ़ाया गया और बाद में अदर एक्टिविटीज के साथ इंटरव्यू लिए गए इंटरव्यू हेतु संस्थान की अधिष्ठात्री शीला जैन डोडिया निर्देशिका डॉक्टर वंदना जैन अधीक्षिका ज्ञानू जैन सह अध्यक्षि का रेखा जैन शकुंतला रही अगला शिविर महाराष्ट्र के सांगली में लगाया जाएगा उसके बाद पुन एक शिविर सांगानेर में लगाया जाएगा ताकि इच्छुक बालिकाएं वंचित ना रहें।

वेद ज्ञान

अनुभव से पैदा होती है समझ

जिंदगी की वास्तविक समझ अनुभव से पैदा होती है। हम अपनी क्षमताओं का समुचित आकलन और नियोजन अनुभव करके ही कर सकते हैं। अनुभव किए बगैर न तो हम अपनी जिंदगी जी सकते हैं और न ही अपने अंदर समाई दिव्य क्षमताओं का परिचय पा सकते हैं। इस सबको जानने, समझने और सही नियोजन करने के लिए हमें उसी रूप में उन्हें महसूस करना चाहिए। हम आखिर हैं कौन और हमारे अंदर क्या है, जो बाहर फूटकर आना चाहता है? क्षमताएं अंदर सुप्त रूप में पड़ी रहती हैं। इन्हें तभी जाग्रत कर निर्दिष्ट कार्य में नियोजित किया जा सकता है, जब हम इन्हें गहराई से महसूस करेंगे। इन्हें हम जितना महसूस करेंगे, उनकी पहचान उतनी ही अधिक होगी। क्षमताओं को महसूस करना बौद्धिक व्याख्या नहीं है और कोई तर्क भी नहीं है कि यह ऐसा होगा या नहीं होगा। इनके बारे में तभी सार्थक रूप से बताया जा सकता है, जब इनकी बारीकियों को हम महसूस करेंगे। जीवन में असीम क्षमताएं समाई हुई हैं, परंतु ये सोई पड़ी हैं। ऐसा कोई भी व्यक्ति नहीं है, जो इन दिव्य विभूतियों से वंचित होगा। सभी में ऐसी महान विभूतियां समाई हुई हैं कि उनके एक अंश उभरकर सामने आने पर मनुष्य कहां से कहां पहुंच सकता है। जीवन की राहें कंटीले कांटों से अटी पड़ी हैं और इन कांटों को भेदकर गुलाब का सुखद स्पर्श किया जा सकता है। क्षमता को सतत प्रक्रिया से उभारा जा सकता है। निरंतर प्रयास से क्षमता निखरती है, परंतु इससे ठीक विपरीत रुक जाने से यह छिप जाती है, ढक जाती है। क्षमता राख की परतों में ढकी हुई होती है, जो इसे महसूस करता है, उसे अंगारों के समान धधका देता है। क्षमता की सही समझ और परिस्थितियों के सही नियोजन से विकास की ऐसी अविरल धारा फूट पड़ती है, जिसे हम 'प्रतिभा' कहते हैं। प्रतिभा कुछ नहीं है, बल्कि हमारी क्षमताओं और परिस्थितियों के बीच सामंजस्य स्थापित कर श्रेष्ठ और नया करने के लिए सतत अवसर तलाशने और उसे कर गुजरने के हौसले का नाम है। हम अपनी क्षमताओं को जितना अनुभव करेंगे, हमारी प्रतिभा उतनी ही विकसित होगी।

संपादकीय

पशुओं को दवा देकर दूध का क्रूर उत्पादन

जैसे-जैसे कृषि व्यवस्था यंत्र आधारित होती गई है, पशुपालन का मकसद शुद्ध रूप से व्यावसायिक होता गया है। दुग्ध उत्पादन एक बड़े कारोबार का रूप ले चुका है। खासकर शहरों में दूध और दुग्ध उत्पाद की लगातार बढ़ती मांग के मद्देनजर दुधारू पशुओं के पालन और दुग्ध उत्पादन को प्रोत्साहित किया जाता है। हालांकि देश के ज्यादातर राज्यों ने सहकारी दुग्ध समितियां गठित कर दी हैं, कई कंपनियां भी थैली का दूध और दुग्ध उत्पाद बेचती हैं। मगर बहुत सारे लोग शुद्धता के आग्रहवश अपने मुहल्ले की डेयरी या दूधिया से दूध लेना बेहतर समझते हैं। इस तरह के दूध का कारोबार करने वालों के बारे में लंबे समय से मिलावट करने का तथ्य उजागर है। यहां तक कि नकली दूध का कारोबार भी चलता है। मगर अधिक से अधिक दूध उत्पादन की चाह में जिस तरह गाय-भैंसों और अन्य दुधारू पशुओं को दवा देकर उनका हार्मोन बढ़ाया जाता है, वह एक अलग त्रासद पक्ष है। दवा देकर हार्मोन बढ़ाने से पशुओं में दूध की मात्रा तो बढ़ जाती है, मगर उनकी सेहत पर पड़ने वाला प्रतिकूल प्रभाव उनके लिए भयावह होता है। ऐसे पशु जब दूध देना बंद कर देते हैं, तो उन्हें अनेक तकलीफदेह बीमारियां घेर लेती हैं। पशुओं को दवा देकर उनका हार्मोन बढ़ाने और अधिक से अधिक दूध खींचने को दिल्ली उच्च न्यायालय ने पशु क्रूरता माना है। अदालत ने अधिकारियों को आदेश दिया है कि वे राजधानी की डेयरियों में हार्मोन पैदा करने के लिए आक्सीटोसिन नामक दवा के उपयोग का पता लगाएं और ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई करें। अदालत ने खुफिया विभाग से आक्सीटोसिन के उत्पादन और वितरण के स्रोतों की पहचान करने को भी कहा है। छिपी बात नहीं है कि शहरों में चलाई जाने वाली डेयरियों में दुधारू पशुओं को एक संसाधन की तरह रखा जाता है। बहुत सारी डेयरियों में तो पशुओं के बैठने, घूमने-फिरने तक की पर्याप्त जगह नहीं होती। उनकी साफ-सफाई का भी उचित ध्यान नहीं दिया जाता। इसलिए अदालत ने यह भी कहा है कि डेयरियों में उचित जल निकासी, पशुओं के घूमने के लिए पर्याप्त खुली जगह, बायोगैस संयंत्र आदि सुनिश्चित कराए जाने चाहिए। डेयरियों को चरागाह वाले क्षेत्रों में स्थानांतरित कराया जाना चाहिए। मगर दिल्ली जैसे महानगरों में ऐसी जगहें कहां उपलब्ध हो पाएंगी, देखने की बात है। जो डेयरी वाले इलाके थे, अब ज्यादातर में सघन रिहाइशी भवन खड़े हो गए हैं। पशुओं का नैसर्गिक जीवन छीन लेना और फिर दवा देकर उन्हें अधिक दूध उत्पादन को उत्तेजित करना निस्संदेह पशु क्रूरता अधिनियम के तहत दंडनीय अपराध है। इस तरह लोगों की सेहत के साथ भी खिलवाड़ किया जा रहा है। लोग अपने बच्चों को दूध और दुग्ध उत्पाद इस मकसद से देते हैं कि उन्हें उचित पोषण मिलेगा, मगर दवा देकर निकाले गए दूध से बीमारियों और विकृतियों की आशंका बढ़ जाती है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

अंतरिक्ष में मुकाबला

दुनिया में लगभग पांच दशक बाद फिर वैज्ञानिक प्रतिद्वंद्विता साफ दिखने लगी है और दुनिया के ज्यादातर देशों ने समझ लिया है कि वास्तविक तरक्की के लिए वैज्ञानिक कुशलता बहुत जरूरी है। फिलहाल दुनिया में चीन वैज्ञानिक रूप से सबसे तेज तरक्की करता दिख रहा है। चीन ने शुक्रवार को अपनी तरह का पहला मिशन चांग-ई-6 अंतरिक्ष यान लॉन्च कर दिया। यह यान चंद्रमा पर दूसरी तरफ से मिट्टी या नमूने लेकर धरती पर लौटेगा। चीन राष्ट्रीय अंतरिक्ष प्रशासन (सीएनएसए) के लिए यह स्वर्णिम काल है, नाना प्रकार के प्रयोग हो रहे हैं और संयोग भी घटित हो रहे हैं। कुल मिलाकर, चीन अपनी पूरी चेष्टा में दुनिया को यह दिखा पा रहा है कि वह वैज्ञानिक रूप से भी अब दुनिया का अग्रणी देश बनने जा रहा है। चीन अच्छी तरह जानता है कि दुनिया में लंबे समय तक अमेरिकी बादशाहत विज्ञान की बदौलत ही चली है। नया चीनी यान चांद के उस दुर्लभ हिस्से से नमूने लाएगा, जहां से अमेरिका और रूस भी कुछ लाने में कामयाब नहीं हुए हैं। चांद के सामने वाले हिस्से से नमूने लाने का काम अमेरिका, रूस और चीन पहले कर चुके हैं। चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर एक आधार बनाने की ओर बढ़ता चीन प्रशंसा का हकदार है। यही नहीं, बीते सप्ताह ही चीन ने तियांगोंग अंतरिक्ष स्टेशन के लिए अपने अंतरिक्ष यात्रियों को रवाना किया है। चीनी अंतरिक्ष स्टेशन भी अपने आप में एक बड़ी कामयाबी है। वैज्ञानिकों के बीच अक्सर चर्चा होती है, जब अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से चीन को लाभ मिलना कम हुआ, तब चीन ने अपना अंतरिक्ष स्टेशन बना लिया। बीजिंग के नवीनतम मानव अंतरिक्ष यान मिशन शेनझोउ-18 के माध्यम से तीन अंतरिक्ष यात्री चीनी अंतरिक्ष स्टेशन पर पहुंच गए हैं और वहां पहले से मौजूद अंतरिक्ष यात्री वहां से लौटने वाले हैं। यह रोचक तथ्य है कि अंतरिक्ष स्टेशन पर एक जीवित मछली भी गई है, जिसे चौथा चालक दल सदस्य कहा जा रहा है। इस जेब्राफिश और शैवाल के जरिये परीक्षण किया जा रहा है, ताकि इंसानों को लंबे समय तक अंतरिक्ष में रहने में मदद मिल सके। अमेरिका बहुत हद तक अचंभित है, क्योंकि लगभग हर महीने चीन कुछ न कुछ अंतरिक्ष संबंधी शोध-परीक्षण लेकर सामने आ रहा है। अमेरिका ने बीजिंग के भू-राजनीतिक इरादों पर चिंता जताई है, जिसे नासा के प्रमुख ने एक नई अंतरिक्ष दौड़ या स्पेस रेस कहा है। चांग-ई-6 का प्रक्षेपण भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा अपने अगले चंद्रमा मिशन चंद्रयान-4 की योजना बनाने की चर्चा के बीच हुआ है। चंद्रयान-4 का मकसद भी चंद्रमा से नमूने लाना है। साल 2026 में जब चीन चांग-ई-7 का प्रक्षेपण करेगा, तब चंद्रयान-4 का भी प्रक्षेपण होगा। हालांकि, भारत को किसी भी प्रकार की होड़ में शामिल नहीं होना चाहिए। भारत की अपनी गति है, जिसे बढ़ाने के सतत प्रयास होते रहने चाहिए। योग्यतम भारतीय वैज्ञानिकों को इसरो में ही रुककर काम करना चाहिए। चीन की कामयाबी का राज यह है कि अब उसके योग्यतम वैज्ञानिक देश सेवा में लगे हुए हैं। अमेरिका से जैसी तकनीकी मदद चीन को तीन दशक तक मिली है, वैसी मदद भले अब न मिल रही हो, पर चीन को ज्यादा जरूरत भी नहीं है, तो क्या किया जाए?

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित

गौरव जैन सिन्नी. शाबाश इंडिया

अशोकनगर। जैन मिलन सेंट्रल ने रविवार को चंद्रप्रभु जिनालय बगीचा मंदिर जी में महावीर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया। जैन सेंट्रल के अध्यक्ष वीरेंद्र जैन अथाईखेड़ा एवं मंत्री सुनील जैन बेलई ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ महावीर प्रार्थना से किया गया। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री एवं कार्यक्रम संयोजक आनंद गांधी ने किया राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुभाष जैन कैंची एवं राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री महेंद्र जैन कडेसरा ने भारतीय जैन मिलन एवं प्रतियोगिता के बारे में प्रकाश डाला एवं पुरस्कार वितरित किये। प्रथम पुरस्कार कु. अदिति जैन सुपुत्री जितेंद्र जैन, द्वितीय पुरस्कार श्रीमती रानी गांधी पत्नी आंनद गांधी को दिया गया ।भारतीय जैन मिलन क्षेत्र क्रमांक 12 में लकी ड्रा द्वारा शाखा के प्रथम पांच विजेताओं में से श्रीमती कांता जैन पत्नी सुनील जैन बेलई को चुना गया। सभी सहभागी 36 लोगों को सांत्वना पुरस्कार भी दिए गए।पंच परमेष्ठी एवं चन्द्रप्रभु भगवान की आरती के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

सीढ़ीयां पुरुषार्थ का काम करती हैं...

जयपुर. शाबाश इंडिया। प. पू. भारत गौरव गणिनी भूषण आर्यिका 105 गुरुमाँ विज्ञाश्री माताजी ने प्रवचन सभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को पुरुषार्थ का फल भाग्य है इस विषय पर समझाते हुए कहा कि - ऊपर की मंजिल पर पहुँचने के लिए सीढ़ीयाँ पुरुषार्थ का काम करती है और लिफ्ट भाग्य का काम करती है। सीढ़ीयों पर चढ़ने में भले ही मेहनत, परिश्रम करना पड़ता है. पर आप जरूर ही मंजिल तक पहुँच जाओगे। भाग्य के भरोसे बैठे रहने वाला पुरुषार्थ हीन मनुष्य लिफ्ट का मजा तो लेता है, पर पता नहीं कब बिजली चली जाये और तुम अंदर ही अटक जाओ। ये मत भूलना कि आज का भाग्य तुम्हारा कल का पुरुषार्थ था और आज जो पुरुषार्थ करोगे वह कल तुम्हारा भाग्य बनेगा। भाग्य के भरोसे जीने वाले बंधुओं तुम्हारे जीवन से खुशियां भाग जायेगी और पुरुषार्थ से भाग्य को बनाने वाले बंधुओं खुशियां तेरे चरण चुमेगी। पूज्य गुरु माँ की आहारचर्या कराने का परम सौभाग्य गुरूभक्त राजेन्द्र भौंच सपरिवार ने प्राप्त किया। मंगल विहार कॉलोनी जयपुर में गुरु मां ससंघ सान्निध्य में धर्म का नाद गूंज रहा है । नितिन दीपशिखा पाटनी ने शादी की सालगिरह पर गुरु मां का मंगल आशीष प्राप्त किया।

16 बैठक गंगोज का कार्यक्रम हर्षोल्लास से मनाया गया

उदयपुर. शाबाश इंडिया। रविवार को नांदवेल (नाहरमगरा) डालचंद सुथार द्वारा धार्मिक अनुष्ठान गंगा पूजन 16 बैठक गंगोज का आयोजन हर्षोल्लास से किया गया कार्यक्रम गंगा पुजन से प्रारंभ हुआ और कलश यात्रा पूरे गांव में भ्रमण के पश्चात आराध्य देव श्री विश्वकर्मा भगवान की आरती की ओर 16 बैठक से पधारे पंचों द्वारा आयोजक परिवार का पगड़ी दस्तूर साफा पहनाकर सम्मान किया और 16 बैठक महासभा द्वारा ऐतिहासिक कार्यक्रम आयोजित करने के उपलक्ष में अभिनंदन पत्र दिया गया और ऐसे सामाजिक आयोजन के लिए समाजबंधुओं को प्रोत्साहित किया गया कार्यक्रम में 16 बैठक उदयपुर,बांसवाडा संभाग से 10 हजार से ज्यादा समाजबंधु उपस्थित रहे पीयूष कुमार,हेमंत सुथार ने सभी समाज बंधुओ का आभार व्यक्त किया।

एसिडिटी से राहत के लिये कुंजल क्रिया है सही समाधान

'स्वस्थ शरीर' के लिए 'स्वस्थ पाचन तंत्र' का होना आवश्यक है। कई बार गलत आहार के कारण हमारे आमाशय में अतिरिक्त अम्ल (Acid) बन जाता है, और यह आहार नली मे एकत्रित हो जाता है। यही एसिडिटी का कारण बनता है। योग में इसके लिए शुद्धि क्रियाएं बताई गई हैं। एसिडिटी से राहत के लिए कुंजल क्रिया एक महत्व पूर्ण शुद्धि क्रिया है। यह पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने वाली क्रिया है। यह आहार-नली मे एकत्रित हुए अम्ल (Acid) व पित्त को बाहर निकालने मे सहायक होती है।

कुंजल क्या है? इसकी विधि, लाभ व सावधानियां क्या हैं?

कुंजल क्रिया क्या है?

इस योग क्रिया को शरीर की शुद्धियों के लिए किया जाता है। इसको गजकरणी या वमन धौति भी कहा गया है।कुंजल क्रिया योग को षट्कर्म मे भी किया जाता है। शुद्धि क्रियाओं मे कुंजल क्रिया एक सरल विधि है।इस क्रिया के द्वारा कण्ठ से नीचे भोजन नली का शोधन किया जाता है। इस क्रिया से अतिरिक्त अम्ल व पित्त (एसिड) को बाहर निकाला जाता हैं। यह एसिडिटी के लिये लाभकारी है।

कुंजल क्रिया क्यों करें?

जब हम भोजन करते हैं, आमास्य जाकर इसकी पाचन क्रिया होती है। पाचन क्रिया के लिये आमाशय में अम्ल व पित्त (Acid) का निर्माण होता है। लेकिन कई बार गलत खान-पान के कारण ये अधिक मात्रा मे बन जाते हैं। ये अतिरिक्त तत्व हमारी भोजन-नली मे एकत्रित हो जाते हैं। अधिक मात्रा मे Acid का बनना Acidity कहा जाता है। इस कारण खट्टी डकार आती है और गले मे जलन लगती है। कुंजल इसके लिये एक प्रभावी क्रिया है।

कुंजल क्रिया की विधि, लाभ व सावधानियां

योग मे शरीर की शुद्धि के लिये 'षट-कर्म' बताये गये हैं। 'षट-कर्म' मे 6 शुद्धि क्रियाएं होती हैं। इनमे 'कुंजल' एक महत्वपूर्ण क्रिया है। इसकी विधि बहुत सरल है। इसको सुबह के समय बिना कुछ खाये खाली पेट करना चहिए। भोजन या नाश्ता करने के बाद इसे नही करना चाहिए।

विधि

जग, लोटा या किसी बर्तन मे पीने का सादा पानी लें। घुटनों के बल उकडू बैठ जाएं। बांया हाथ पेट पर रखें हल्का दबाव बनाएं। दांए हाथ मे पानी का बर्तन पकड़ें। बर्तन को मुंह लगा कर जितना पानी पी सकते है, पी लें। पानी पीने के बाद बर्तन रख दें। पीठ से आगे की तरफ झुक कर खड़े हो जाएं। बांए हाथ से पेट पर हल्का दबाव बनाये। दांए हाथ की उंगली मुंह मे डाल कर जीभ के पीछे (कण्ठ के पास) टच करे। जितना पानी पीया था वह वमन (उल्टी) द्वारा बाहर निकाल दे। पीया हुआ लगभग सारा पानी बाहर आ जाये तो साफ पानी से कुल्ला करे। वमन (उल्टी) करने से पानी के साथ सभी हानिकारक तत्व बाहर आ जाते है।

इस क्रिया का लाभ क्या है?

कुंजल क्रिया से भोजन नली का शोधन हो जाता हैं हानिकारक तत्व बाहर आ जाते है। इस क्रिया से अतिरिक्त अम्ल, कफ व पित्त बाहर आ जाते है। पाचन तंत्र सुचारू रहता है। यह क्रिया गैस व एसिडिटी मे लाभकारी है। यह कफ व पित्त दोष को दूर करती है।

सावधानियां

यह क्रिया बहुत सरल है। लेकिन इस क्रिया को करने कुछ सावधानी बरते। इस क्रिया को प्रतिदिन न करे। महिने मे एक बार या दो बार ही करें। सुबह शौच आदि से निवृत होने के बाद बिना कुछ खाए खाली पेट इस क्रिया को करे। भोजन करने के तुरंत बाद इसे नहीं करना चाहिए। क्रिया के तुरंत बाद स्नान न करे। कुछ समय रुक कर स्नान करें। कम से कम एक घंटे के बाद भोजन या नाश्ता करें।

हल्का व सुपाच्य भोजन करे।

किसको नही करना चाहिए

यह क्रिया बहुत सरल है क्योंकि इसमे केवल सादा पानी पी कर वमन (उल्टी) करना होता है। लेकिन कुछ व्यक्तियों को यह क्रिया नही करनी चाहिए। रोगी को चिकित्सक की सलाह से इस क्रिया को करना चाहिए। हृदय रोगी, अस्थमा पीड़ित, हर्निया के रोगी, आंत रोगी इस क्रिया को न करे, या चिकित्सक की सलाह से करें। गर्भवती महिलाएं इसे बिलकुल न करें।

सारांश

एसिडिटी व गैस के लिये कुंजल क्रिया योग एक लाभकारी क्रिया है। यह भोजन-नली का शोधन करती है इस क्रिया से अतिरिक्त अम्ल, पित्त तथा हानिकारक पदार्थों बाहर निकाला जाता हैं। इस क्रिया को रोजाना न करे। महिने मे एक बार या दो बार ही करें।

Disclaimer

रोग का उपचार हमारा उद्देश्य नही है। योग-क्रियाओ के प्रति जागरूकता ही हमारा उद्देश्य है। प्रस्तुत लेख मे बताई गई विधि एक सामान्य शुद्धि क्रिया है। इसे चिकित्सा के तौर पर नही किया जाना चाहिए। किसी प्रकार के रोग से पीड़ित होने पर इस क्रिया को न करें, आयुर्वेद चिकित्सक की सहायता इसमें अवश्य लें,या हमसे संपर्क करें।

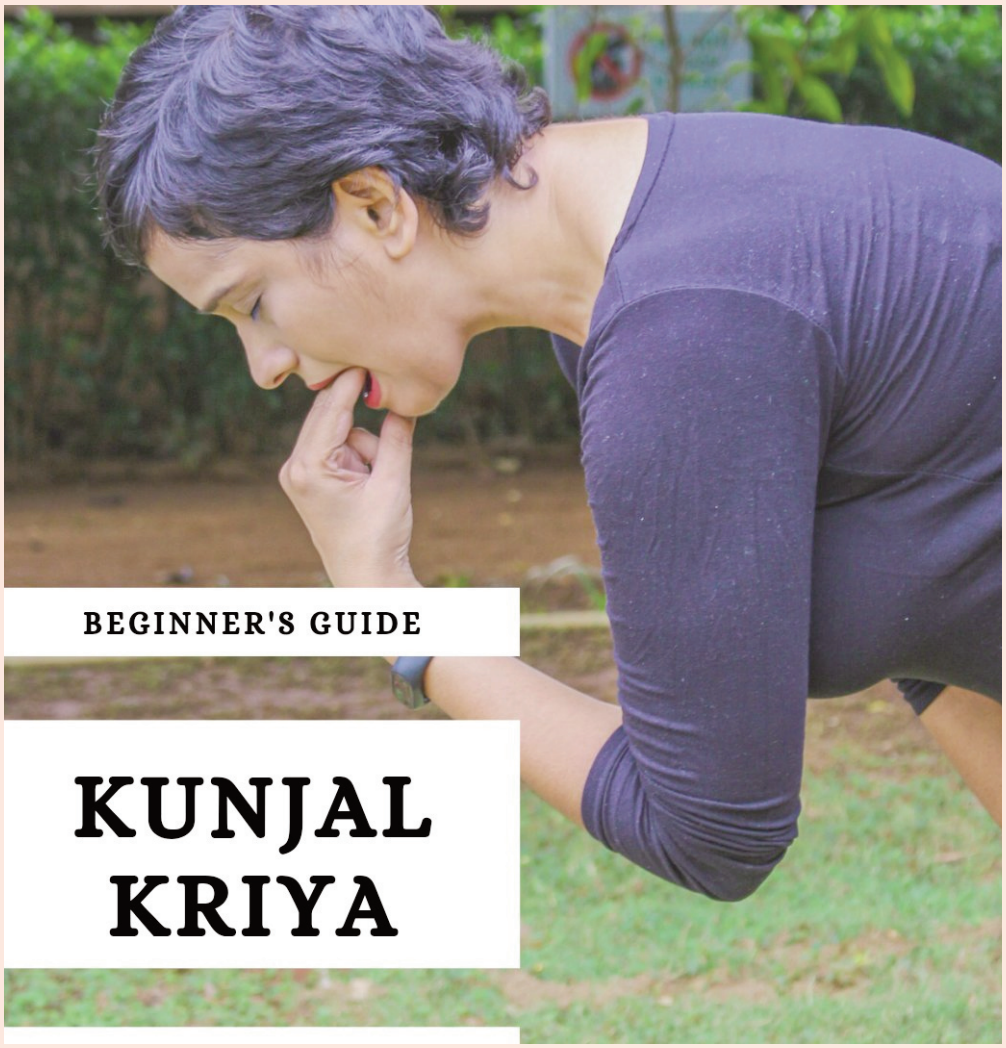

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय
आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान
विधानसभा,जयपुर। 9828011871

-डा पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेद चिकित्सा प्रभारी
राजस्थान विधान सभा जयपुर।

मानवीय संवेदनाओं के आकाश को छूती, सौंधी मिट्टी की खुशबू के साथ, विषय वैविध्य की रचना "कैलाशी"

पुस्तक समीक्षा

काव्य संग्रह : कैलाशी
लेखिका : डॉ.कांता मीना
प्रकाशक : सूर्य प्रकाशन मंदिर बीकानेर
प्रकाशन वर्ष : 2023
पृष्ठः 112
मूल्यः 300 रुपए

शाबाश इंडिया

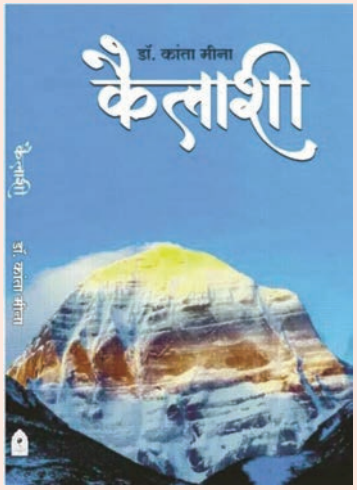

कैलाशी डॉ.कान्ता मीना की प्रथम कृति है। प्रायः प्रथम कृति जीवन में प्राप्त समस्त अनुभवों का साररूप होती है। कैलाशी में डॉ. मीना के उपर्युक्त भाव स्पष्ट परिलक्षित होती है। हे कैलाशी नामक प्रथम रचना में ही इन्होंने 'कर्मपथ के अडिग हौसले कभी ना पिघले' से अपना मन्तव्य स्पष्ट कर दिया है। हौसले ही जीवन रूपी नाव के पतवार होते हैं। जिनके हौसले पस्त हुए वे व्यक्तित्व अस्त हुए। पारिवारिक सरोकारों से जुड़ते हुए माँ व पिताजी का चिरस्मरण कर लेखिका स्वयं की आदिवासियत को धरोहर मानती है। स्पष्ट अंकन है कि यह आदिवासियत मात्र लेखन से परिलक्षित नहीं होता इसे जीना होता है।विषय वैविध्य आत्मा के विस्तार का द्योतक है। एक ही दिशा में बहना लेखन को संकुचित कर देता है। लेखिका मोहब्बत के साथ संघर्ष के दौर पर भी लिखती दिखाई देती है। बचपन और नववर्ष जैसे उल्लास के साथ दहेज जैसी समसामयिक समस्या पर भी इनकी कूँची चलाई है। नन्हीं चिड़िया कविता के माध्यम से बरगद के पेड़ के माध्यम से संस्कारों की आड़ में दैनिन्दिन समस्या के मध्य निश्चिंत हो स्वकर्म की अग्रसर चिड़िया को दिखाया गया है। कवयित्री प्रकृति के प्रति संवेदनशील है। जल,जंगल,जीव व जीवन के प्रति जागरूक होने के साथ-साथ इनके प्रति मानवमात्र के कर्तव्यबोध से जागृत भी है।'कोख बेच दी उसने नदियों की' अत्यंत मार्मिक अभिव्यक्ति है जो स्त्री होने से कवयित्री को सहज लभ्य है। जंगली कविता में जंगली संज्ञा को गौरव का प्रतिमान माना है। वस्तुतः यह हम पर ही निर्भर है कि हम किस संज्ञा से कैसी अनुभूति करते हैं। दीपमालिका पर्व पर गांव की सौंधी सुगन्ध से सुरभित होने की लालसा आज के इस भौतिकवादी युग में दुष्कर है परंतु लेखिका को पर्व, त्योहार पर गांव जाना है और उत्साहजनक ग्रामीण परम्पराओं का निर्वहन करना है। बेटियां कविता में 'अंतिम छोर के क्षितिज तक उड़ना चाहती है' से बेटियों के लिए अनन्त आकाश की शोभायात्रा सहज सुलभ करवाती हुई दो घरों की सम्पन्नता का मूलाधार बेटियों को बताया गया है। पारिवारिक संबंधों का प्राण आत्मीयता है यह भाव 'दीप जलाए रखना' कविता में सुष्ठु द्योतित है। 'बस अपने घर के परिंडे की शीतलता तू यूँ ही बनाए रखना' पंक्ति के द्वारा डॉ. मीना इस बात का पूर्ण समर्थन करती दिखती हैं कि परिवार का आधार त्याग, समर्पण व परस्परिक सम्मान है। उपर्युक्त गुणों से ही पारिवारिक शांति सम्भव है। वर्तमान में जो परिवर्तन परिवार नामक संस्था के मानकों में आया है लेखिका उसके प्रति चिंतित है। नादान से लड़के कविता मर्मभेदी है। यह प्रायः सभी लड़कों की चिंता की अभिव्यक्ति है। कौन सा लड़का है जो अवसर प्राप्त होते ही घर नहीं जाना चाहता ? पेट और जिम्मेदारियाँ इन्हें दूर कर देती हैं पर अंततोगत्वा ये लौटने में विश्वास रखने वाले हैं। पुरुष मन की पीड़ा का स्त्री द्वारा कथन तदनुभूति का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। डॉ. कान्ता मीना माँ, मानुष, मजदूर, मोहब्बत, मेहनत पर निर्बाध लेखनी चलाई है। पर दुःख कातरता ईश्वरजन्य उपहार है जो लेखिका की रचनाओं में यत्र-तत्र-सर्वत्र पुष्पित पल्लवित है। पुस्तक के अध्ययन व विषय वैविध्य से लेखिका की प्रथम कृति होने पर सहसा अविश्वास सा होता है। रिक्तियों में आशा भरती हुई एक दिशा प्रदान करती है। तत्र गंधवती पृथ्वी के अटल लक्षण से निसृत सौंधी सुगंध से सनी रचना कैलाशी आपको मिट्टी से जोड़े रखने में सक्षम है।

समीक्षक
डॉ.दिलीप कुमार पारीक
प्रधानाचार्य,राउमावि,भरनाई,
मकराना,नागौर (राज.)।

विश्व गुरु दीप आश्रम शोध संस्थान में पांडुलिपि का निरीक्षण

जयपुर. शाबाश इंडिया

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर के चिकित्सक दल ने विश्व गुरु दीप आश्रम शोध संस्थान जयपुर के पांडुलिपि संग्रह का आज अवलोकन किया । डॉ. आशीत पंजा के निर्देशन में चिकित्सा विभाग के शोधार्थियों व शिक्षकों ने यह अवलोकन किया। शोध संस्थान के उपाध्यक्ष महामंडलेश्वर स्वामी ज्ञानेश्वर पुरी ने बताया कि इस तरह संपूर्ण राजस्थान में शोध संस्थान के माध्यम से हस्तलिखित भारतीय ज्ञान परंपरा को संरक्षित करने का कार्य कराया जा रहा है। अब तक लगभग 3 लाख पांडुलिपियों को चिन्हित कर उन पर कार्य करने की योजना बना ली गई है। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के दल ने शोध संस्थान के द्वारा पांडुलिपियों पर कराये जा रहे कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि निश्चित ही यह कार्य भारतीय संस्कृति के प्रचार-प्रसार में अत्यंत उपयोगी होगा। शोध संस्थान की ओर से किया जाने वाला यह कार्य निश्चित ही बहुत महत्वपूर्ण है जो देश को एक नई पहचान दिलाने में सहायक होगा। उन्होंने आयुर्वेद के दुर्लभ और अप्रकाशित ग्रंथों को देखकर उन्हें प्रकाशित करने की बात भी कहीं।

श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा की प्रबन्ध समिति के चुनाव संपन्न

सुधीर जैन अध्यक्ष, हेमंत सोगानी मानद मंत्री तथा राजकुमार कोठारी कोषाध्यक्ष निर्वाचित हुए

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा की प्रबन्ध समिति के पदाधिकारियों के त्रिवार्षिक चुनाव 5 मई को सर्वसम्मति से सम्पन्न हुए। चुनावों में रूप चंद कटारिया, भाग चंद टोंग्या, न्यायाधिपति नरेन्द्र कुमार जैन, ज्ञान चन्द झांझरी व राजेन्द्र के शेखर को संरक्षक, सुधीर कुमार जैन को अध्यक्ष, नेमी चंद गंगवाल, सुरेश चंद काला, सुरेन्द्र कुमार पांड्या, अनिल कुमार जैन, महावीर कुमार अजमेरा व सुभाष चंद्र जैन पाटनी को उपाध्यक्ष, हेमन्त सोगानी को मानद मंत्री, राज कुमार कोठयारी को कोषाध्यक्ष तथा जितेन्द्र मोहन जैन को संयुक्त मंत्री सर्वसम्मति से निर्वाचित घोषित किया गया। चुनाव अधिकारी सन्त कुमार जैन एडवोकेट रहे।

वीजेसी ओपन माइक लीग के ऑडिशन

मिमिक्री, कॉमेडी, संगीत, गायन, रैपिंग में दिखा प्रतिभाओं का हुनर

जयपुर. शाबाश इंडिया। विनीत जैन क्रिएशन्स (वीजेसी) के बैनर तले वीजेसी ओपन माइक लीग के ऑडिशन पांच बत्ती स्थित 360 डिग्री में हुए। इस मौके पर करीब 50 के आसपास प्रतिभाओं ने कविता, मिमिक्री, स्टैंड अप कॉमेडी, संगीत, गायन, रैपिंग आदि में अपने हुनर दिखाएं। शो के संस्थापक विनीत जैन ने बताया कि इस मौके 15 से 40 तक के आयुवर्ग के कलाकारों शो की श्रेणियां कविता, मिमिक्री, स्टैंड अप कॉमेडी, संगीत, गायन, रैपिंग आदि में अपनी प्रतिभा के हुनर दिखाए। इस दौरान छवि जैन ने जगजीत सिंह को कविता के रूप में प्रस्तुत किया। इंजीनियर निर्मल गोयल ने स्टैंडअप कॉमेडी, बॉलीवुड गायक रोहित शर्मा के पुत्र आर्यन शर्मा ने एक सुंदर गाना प्रस्तुत किया, मिमिक्री कलाकार योगेश राजवाड़ा ने हेरा-फेरी के बाबू भैया को चित्रित किया, विकल्प सोनी ने मधुर बांसुरी बजाई, शहजादा ने रैप किया और और कई कलाकारों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन प्रस्तुत किया। निर्णायकों में थे प्रिंस रूबी, मिताली वर्मा और आदित्य शर्मा। विनीत जैन क्रिएशन्स की क्रिएटिव हेड आकांक्षा अरोड़ा व आयोजन की कन्वीनर, प्रेरणा चंदीरानी ने बताया कि सेशन राउंड्स मनोरंजन की गुणवत्ता का अंतिम परीक्षण होंगे, क्योंकि अंतिम चयनित उम्मीदवारों का चयन उनके प्रस्तुतियों के आधार पर होगा। शॉर्ट लिस्टेड प्रतियोगियों को फिर महासमापन के लिए आगे बढ़ाया जाएगा, जो 18 मई को होगा। वीजेसी ओपन माइक लीग की समन्वयक आकांक्षा मीना ने बताया कि ओपन माइक लीग के विजेता को सिर्फ पहचान ही नहीं मिलेगी, बल्कि हंसा कोठारी की ओर से प्रायोजित एक महत्वपूर्ण नकद पुरस्कार भी मिलेगा, जो 21,000 रुपए का होगा।

जैन समाज का होनहार देश के लिए कुर्बान

राजेश जैन दद्दू, शाबाश इंडिया

छिंदवाड़ा। देश के सपूत छिंदवाड़ा जिले के लाल नोनिया-कर्बल निवासी जवान कॉरपोरल विक्की पहाड़े जैन को वायुसेना के काफिले पर आतंकी हमले में हुए शहीद देश के होनहार वीर जवान विक्की पहाड़े जैन अपने पीछे पाँच साल का बेटा पत्नी समेत अपना हरा भरा परिवार को छोड़ गये। देश के वीर जवान विक्की पहाड़े जैन जी विगत 4 मई को जम्मू कश्मीर के पूंछ में भारतीय वायुसेना के काफिले पर हुए आतंकी हमले में वायुसेना के पांच जवान घायल हुए थे जिनको सेना के हेलीकाप्टर से उधमपुर आर्मी हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया था, जहा देर रात तक एक जवान कॉरपोर्ल विक्की पहाड़े जैन जो की मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा के रहने वाले थे जो की बुरी तरह से जख्मी थे उन्होंने अपना सर्वोच्च बलिदान दे शहीद हो गए। समंग्र जैन समाज में शौक की लहर इंदौर दिगम्बर जैन समाज समाजिक सांसद के अध्यक्ष राजकुमार पाटोदी मंत्री डॉ जैनेन्द्र जैन महावीर ट्रस्ट के अध्यक्ष अमित कासलीवाल फेडरेशन के अध्यक्ष राकेश विनायका राजेश जैन दद्दू हंसमुख गांधी टीके वेद परवार समाज महिला संगठन की अध्यक्ष श्रीमती मुक्ता जैन सारिका जैन, पुष्पा जी कासलीवाल आदि समाज जन ने गहरा शौक व्यक्त करते हुए कहा कि भारतीय सेना में जैन समाज का होनहार देश के लिए कुर्बान हो गया। पूरी वायुसेना और देश को उनके शौर्य और पराक्रम पर गर्व है, शहीद जवान कॉरपोरल पहाड़े जैन अपने पीछे एक 5 वर्षीय पुत्र और पत्नी समेत अपने परिवार जन को छोड़ गए, जहां आपको बता दे की पहाड़े घर के इकलौते पुत्र और बेटे थे जिनकी 3 बहने भी है। देश के वीर जवान को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित जयहिंद।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र बाड़ा पदमपुरा के सुभाष पाटनी उपाध्यक्ष, राजकुमार कोठारी कोषाध्यक्ष निर्वाचित

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र बाड़ा, पदमपुरा के सुभाष पाटनी उपाध्यक्ष, राजकुमार कोठारी कोषाध्यक्ष निर्वाचित हुए। एक सादा समारोह में वीर सेवक मंडल के अध्यक्ष महेश काला, शाबाश इंडिया के संपादक राकेश गोदिका ने उनका माल्यार्पण कर सम्मान किया। इस अवसर पर सुशील जैन , दिनेश पारीक सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

मां अन्नपूर्णा रोगी सेवा एवं पारमार्थिक संस्था द्वारा वस्त्र वितरण का आयोजन

सैकड़ों जरूरतमंदों ने सुंद्रेल फाटा और इंदिरा नगर में लिया लाभ

मनोज जैन नायक. शाबाश इंडिया

धामनोद । नगर की अग्रणी सामाजिक संस्था मां अन्नपूर्णा रोगी सेवा एवं पारमार्थिक संस्था द्वारा मजदूर मंडी सुंद्रेल फाटा और इंदिरा नगर बस्ती में धामनोद नगर एवं क्षेत्र के दानदाताओं आई जनसहयोग से प्राप्त विभिन्न प्रकार के वस्त्र जैसे पेंट, शर्ट, जींस, टीशर्ट, साड़ी, सलवार कुर्ती, लेगिंग्स एवं अन्य वस्त्रों के वितरण का आयोजन सोमवार को किया गया ।जहां सैकड़ों जरूरतमंदों द्वारा उक्त सेवा का लाभ लिया गया । वितरण व्यवस्था में दीपक प्रधान, विजय नामदेव, राकेश पाटीदार, अजय जैन, धीरज सिंह चौहान, शशि श्रीवास्तव, प्रभु स्वामी, कविता तोमर एवं अन्य सेवादार उपस्थित रहे ।

बेगस जैन मंदिर का धूमधाम से मनाया13वां वार्षिकोत्सव

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री 1008 बेगस जैन मंदिर का 13 वां वार्षिकोत्सव आज विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों के साथ मनाया गया। इस दौरान जिनेन्द्र अभिषेक, ध्वजारोहण व कलषाभिषेक के साथ कई कार्यक्रम हुए। इन आयोजनों में काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर अपनी भक्ति और आस्था को जताया। मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष पूनम चन्द ठोलिया व मंत्री सुरेश छाबड़ा ने बताया कि वार्षिकोत्सव के तहत जिनेन्द्र अभिषेक के बाद श्रीजी की प्रथम शांतिधारा के पुण्यार्जक समाजश्रेष्ठी पवन-कल्पना, अंकित- पूजा व हर्षिल काला परिवार दातां वालों रहे। इसके बाद शांतिधारा, व नित्य नियम पूजा के बाद ध्वजारोहण सुमनलता, प्रदीप जैन, खुशबू जैन, कृष्णा जैन व निहाल सौगानी सिनोदिया वाले ने की। इस मौके पर दीप प्रज्जवलनकर्ता महेन्द्र कुमार-रेणु बिलाला, वीरेन्द्र, विनीत व विपिन गोधा व विकास-रेणु डिफेंस कॉलोनी थे। इस मौके पर मुख्य अतिथि अनिल कुमार काला,सौधर्म इन्द्र विनोद कुमार अजमेरा रहे। उन्होंने बताया कि अन्य अतिथियां में थे गजेन्द्र कुमार,प्रवीण व विकास बड़जात्या कामां वाले वैशाली नगर, जेके जैन कालाडेरा थे। दोपहर में शांतिविधान पूजा ,अतिथि सम्मान के बाद श्रीजी के कलश हुए। महोत्सव की सारी क्रियाएं विधानाचार्य पंडित प्रद्युमन शास्त्री ने सम्पन्न करवाई।

विद्यासागर पाठशाला के बच्चों के द्वारा शहर के फुटपाथ पर छतरी वितरित की

झुमरीतिलैया. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन विद्यासागर पाठशाला के बच्चों के द्वारा शहर के फुटपाथ पर अपनी जीविका चला रहे बुजुर्ग महिला बच्चे जरूरतमंदों के बीच 40 छाता वितरण किया गया इस मौके पर पाठशाला में पढ़ाने वाली शिक्षिकाएं भी साथ में मौजूद थी। दोपहर के इस चिलचिलाती गर्मी में पाठशाला के छोटे-छोटे बच्चों ने स्टेशन रोड झंडा चौक वीर कुंवर सिंह चौक आदि स्थानों में घूम घूम कर जरूरतमंदों को छाता दिया सभी बच्चे छाता बांटकर बहुत ही खुश हो रहे थे। इस मौके पर समाजसेवी पार्षद पिंकी जैन ने कहा कि जैन धर्म में दया त्याग और दान का बड़ा महत्व है जरूरतमंदों के चेहरे पर खुशी मिले यही सच्चा सेवा कार्य है।

शांति विधान मण्डल एवं शपथ ग्रहण सपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ का इस वर्ष का पहला कार्यक्रम धार्मिक कार्यक्रम के रूप मे जग्गा की बावड़ी स्थित जैन मंदिर मे सपन्न हुआ जिसमे शांति विधान पूजन एवं नई कार्य कारिणी को शपथ ग्रहण हुई। परम पूज्य आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के शिष्य प्रतिष्ठाचार्य बाल ब्रह्मचारी पुष्पेन्द्र शास्त्री दिल्ली ने पूजन एवं मण्डल पर जैन परंपरानुसार शपथ ग्रहण करवाया। पूजन से पूर्व पुष्पेंद्र भैया ने अपने प्रवचन में कहा नारी समाज की नाडी है नारी का स्थान भारतीय संस्कृति में अति उच्च है नई वह धुरी है ।जिसके इर्द-गिर्द परिवार की गाड़ी घूमती रहती है यदि धुरी मजबूत ना हो तो गाड़ी कभी भी कहीं भी भटक सकती है अटक सकती है एक नारी एक मां यदि संस्कारित हो तो पूरे परिवार को संस्कारित त कर देती है बच्चों को हमेशा सुसंस्कार दें क्योंकि संस्कारों की बुनियाद पर ही उनके जीवन इमारत खड़ी होती है यदि संस्कार नहीं दिए गए तो जमीन की इमारत कभी भी ढर जाएगी बाल ब्रह्मचारी पुष्पेन्द्र शास्त्री ने कहा पाप और अपराध में बहुत फर्क है पाप मन के भीतर की बात है और अपराध मन के बाहर की बात है ओर मन में यदि किसी की हत्या का विचार उठा यह पाप है और मन के विचार को शरीर से क्रियान्वित कर दिया गया किसी की हत्या कर दी गई यह अपराध है अदालत पापी को नहीं पड़ती और अपराधी को पड़ती है पाप जब अपराध बन जाता है तब कानून तुम्हें पकड़ता है लेकिन महावीर की अदालत में धर्म की अदालत में पाप भी अपराध है और अपराध भी पाप है। धर्म क्वांटिटी नहीं क्वालिटी मांगता है धर्म की क्वांटिटी से संख्या में कोई संबंध नहीं धर्म की क्वांटिटी से गुणों से संबंध है धर्म गुणात्मक है परीणात्मक नहीं है लौकिक अदालत और धर्म की अदालत में यही तो फर्क है की लौकिक अदालत क्वांटिटी पर जीती है और धर्म की अदालत क्वालिटी पर जीती है धर्म कहता है जो 2 रुपए चुराए वह भी चोर है और जो 2 लाख रुपए चुराए वह भी चोर है। छोटी बड़ी चोरी हो सकती है लेकिन चोरी तो चोरी है धर्म की अदालत में दोनों समान दंड की पात्र है । लेकिन तुम्हारी अदालत में दोनों की सजा अलग-अलग होगी । अदालत शब्द का अर्थ पुष्पेन्द्र शास्त्री जी ने बताया अ-आओ,दा-देओ ल-लडो, ओर त-तवाह हों जाओ अर्थ हुआ आओ देओ लड़ो और तबाह हो जाओ अदालत से बिना तबाह हुए आज तक कोन लौटा है अंतःकरण सबसे बड़ी अदालत है अंतःकरण की अदालत को साक्षी मानकर जीना है। नव गठित कार्यकारिणी सुनील मुनिया जैन सौगानी अध्यक्ष अजय ऋतू बड़जात्या उपाध्यक्ष विशुतोष नीति चांदवाड सचिव, महेंद्र रेखा जैन सह सचिव, सुकेश सपना काला कोषाध्यक्ष, अनिल नीरा गदिया संदीप शिखा शाह, विजय रीद्दी जैन संजय निशा गोधा, संदीप आरती जैन, प्रमोद सुनीता पाटनी, अरुण मणि बिलाला मनीष हिमानी बिलाला, प्रदीप अनीता अजमेरा, अजय स्नेहलता जैन सभी ने जिनेन्द्र देव को साक्षी पूर्वक शपथग्रहण की। सौधर्म इंद्र श्री मनोज अलका जैन, शांति धारा सुनील मुनिया सौगानी,विशुतोष नीति चांदवाड मंगल कलश स्थापना विजय ऋद्धि ईशान कलश स्थापना मनीष किरण झांझरी, अजय ऋतू बड़जात्या, सुकेश सपना काला पदम प्रीति सौगानी दीपक स्थापना विजय रीद्दी जैन आरती विनोद ललिता ने किया । कार्यक्रम संयोजक सुकेश काला , संजय गोधा, विजय रिद्धि जैन सह संयोजक सुधीर नीलू, संजय संगीता सोगानी थे भोजन व्यवस्था महेंद्र रेखा जैन ने सम्भाली इस मोके पर संस्थापक अध्यक्ष मनीष किरण झांझरी, पूर्व अध्यक्ष संजय संगीता जैन, अभय अंजना गंगवाल मौजूद रहे

ग्रुप से जुड़े नये सदस्यों का तिलक एवं माला पहनाकर स्वागत किया

निर्देशन बाल ब्रह्मचारी पुष्पेन्द्र शास्त्री दिल्ली ने सभी को शपथग्रहण समारोह कराया शांति विधान महामंडल को संगीतकार नवीन महुवा वाले की स्वर लहरियों के साथ सम्पन्न हुआ।

श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर झोटवाड़ा में मनाया 17वां पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव दिवस

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री पार्श्वनाथ दि. जैन मंदिर झोटवाड़ा में रविवार दिनांक 05 मई को विधानाचार्य पं. डा. सनत कुमार जैन के सानिध्य में 17वा पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव दिवस मनाया गया। शनिवार दिनांक 4 मई को सांय 8:00 बजे से 9.15 बजे तक- णमोकार महामंत्र जाप एवम रविवार दिनांक 5 मई को प्रातः अभिषेक एवं महा शांतिधारा, प्रातः 7.15 बजे- झंडारोहण एवम दीप प्रजज्वलन, प्रातः 8.15बजे- विघ्नहरण श्री पार्श्वनाथ विधान का आयोजन हुआ। अध्यक्ष धीरज पाटनी ने बताया कि झंडारोहण दीप प्रजज्वलन कर्ता एवम्-सोधर्म इंद्र परिवार निर्मल -श्रीमति तारा देवी, अमित -रीना , सुश्री पूजा, सुश्री वाणी, सुश्री मात्रा, नेहाझपुनीत सोनी एवम समस्त पांड्या परिवार खोरा वाले थे। विधान सामग्री पुण्यार्जक गुलाबचन्द -श्रीमति तारा देवी, अशोक - अलका , संजय अंशु , रिषभ , सुश्री सृष्टि, डॉ. शिवांगीझडॉ. रवि गंगवाल एवम समस्त बज परिवार सलहेदी पूरा वाले रहे। कुबेर इंद्र मुकेश झश्रीमति आशा पाटनी कालूवास वाले, यज्ञ नायक

पदम झश्रीमति सन्तोष देवी पाटनी नावां वाले, ईशान इंद्र विनोद झश्रीमति सन्तोष पाटनी भेसलाना वाले, सनत कुमार इंद्र नितिन झश्रीमति रचना जैन, माहेन्द्र महावीर झ श्रीमति इंद्रा देवी पाटोदी देवली वाले, ब्रह्म इन्द्र प्रमोद - प्रतिमा छाबड़ा मुंडोता वाले,लांतव इन्द्र सुरेश - नेहा पाटनी लूणवा वाले, वात्सल्य भोजन सहयोग कर्ता श्रीमती सुशीला, नरेश, रीमा, नमन, खुशबू , अमन , दीयान बड़जात्या परिवार जोबनेर वाले थे। सभी साधर्मी बंधुओ ने णमोकार महामंत्र जाप एवं पूजा विधान सहपरिवार सम्मिलित होकर पुण्यार्जन किया, साथ धर्म प्रभावना करते हुए कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।